पाठ ११ : रहीम के दोहे

लेखक : रहीम

विषय :हिन्दी कक्षा : सातवीं

कार्य पत्रक

प्रस्तुतकर्ता : प्रतिभा रोकड़े (परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-३,तारापुर)

****

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१ जीवन में मित्रों की अधिकता कब होती है ?

उत्तर-

जब जीवन में काफी धन-दौलत, मान-सम्मान बढ़ जाता है तो मित्रों की संख्या बढ़ जाती है |

२ 'जल को मछिलयोंसे कोई प्रेम नहीं होता' इसका क्या प्रमाण है?

उत्तर-

जल को इसमछलियों से कोई प्रेम नहीं होता | इसका यह प्रमाण है कि मछालियों के जाल में फँसते ही जल उन्हें अकेला छोड़ कर आगे बह जाता है |

३ सज्जन और विद्वान के संपत्ति संचय का क्या उद्देश्य होता है?

उत्तर-

सज्जन और विद्वान सम्पत्ति का अर्जन दूसरोंके भलाई के लिए करते है| उनका धन हमेशा दूसरोंकी भलाई में खर्च होता है|

४ रहिमने क्वार मास के बादलों को कैसा बताया है?

उत्तर-

रहीम ने क्वार मास के बादलों को थोथा यानी बेकार गरजने वाला बताया है|

लघु उत्तरीय प्रश्न

१ वृक्ष और सरोवर किस प्रकार दूसरों की भलाई करते है?

उत्तर-

वृक्ष और सरोवर अपने द्वारा संचित वस्तु का स्वयं उपयोग नहीं करते है, यानी वृक्ष असंख्य फल उत्पन्न करता है लेकिन स्वयं उसका उपयोग नहीं करता | वह फल दूसरों के लिए देते है | ठीक इसी प्रकार सरोवर भी अपना जल स्वयं न पीकर उसे समाज की भलाई के लिए संचित करता है |

२ रहीम मनुष्य को धरती से क्या सीख देना चाहता है ?

उत्तर-

रहीम मनुष्य को धरती से सीख देना चाहता है कि, जैसे धरती सरदी, गर्मी व बरसात सभी ऋतुओं सामान रूप से सहती है, वैसे ही मनुष्य को अपने जीवन में सुख-दुख को सहने की क्षमता होनी चाहिए |

दीर्घ उत्तर प्रश्न

प्रश्न- रहीम के दोहों से हमें क्या सीख मिलती ही?

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न- हमें वृक्ष और सरोवर से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए?

****